4

संयोजन
(Composition)

4.0 भूमिका

सजीव तथा विभिन्न वस्तुओं को ठीक से चुनकर एक निर्दिष्ट आयाम पर व्यवस्थित करके कलाकार की कल्पना तथा अभिव्यंजना को सही ढंग से प्रकट करना चित्रकला में संयोजन कहलाता है।

प्राथमिक रूप में वस्तुओं के आकार द्वारा संयोजन प्रस्तुत करना चाहिए।

4.1 उद्देश्यः

इस पाठ के अध्ययन के बाद शिक्षार्थी इस योग्य होगा कि वह–

- किसी निर्दिष्ट स्थान में दो या तीन वस्तुओं या अनुकृतियों को इस प्रकार व्यवस्थित ढंग से रखें जिससे एक विषय–वस्तु का निर्माण हो सके।
- संयोजन के निर्माण के लिए साधनों का प्रभावी रूप से प्रयोग कर सके।

4.2 संयोजन में ज्यामितिक फार्म (Geometrical Form of Composition)

एक काले रंग का कागज लीजिए। इसे विभिन्न आकार तथा परिमाण में काट लीजिए जैसे गोलाकार, चौकोर, त्रिकोणाकार आदि। चाहे तो काले रंग के कागज के स्थान पर अन्य किसी रंग के कागज का प्रयोग भी कर सकते हैं।

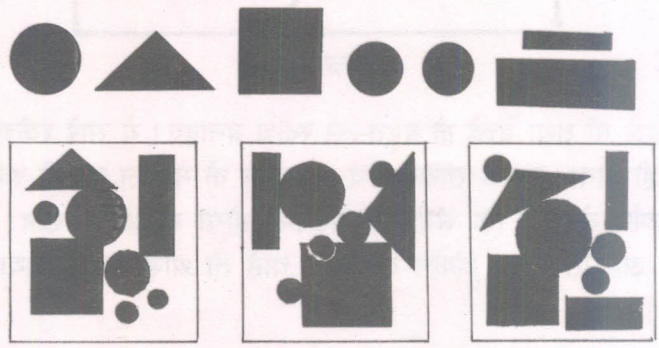

चित्र 4.1

काटे हुए टुकड़ों को हल्के रंग के या सफेद रंग के कागज पर विभिन्न तरह से सजाइए। (चित्र 4.1) इस प्रकार से बुनियादी संयोजन के

बारे में आपको जानकारी होगी एवं इससे जगह को किस तरह से संतुलित रूप में विभिन्न आकारों द्वारा व्यवस्थित किया जाए, इसका बोध होगा। चित्र रचना के पहले चाहे चित्र किसी माध्यम में हो, यानी तेल रंग, पेस्टल रंग, जल रंग, किन्तु संयोजन सही होना अत्यन्त आवश्यक है। संयोजन की रचना से पहले विषय वस्तु का निर्णय भी महत्वपूर्ण है। आप कोई भी विषय–वस्तु जैसे *"माँ और बच्चा"*, *बाजार, बस स्टाप, गाँव का दृश्य* आदि के बारे में सोच सकते हैं। उदाहरण के लिए आपको "माँ तथा बच्चे" की विषय–वस्तु पर चित्र बनाना है। (चित्र 4.2)

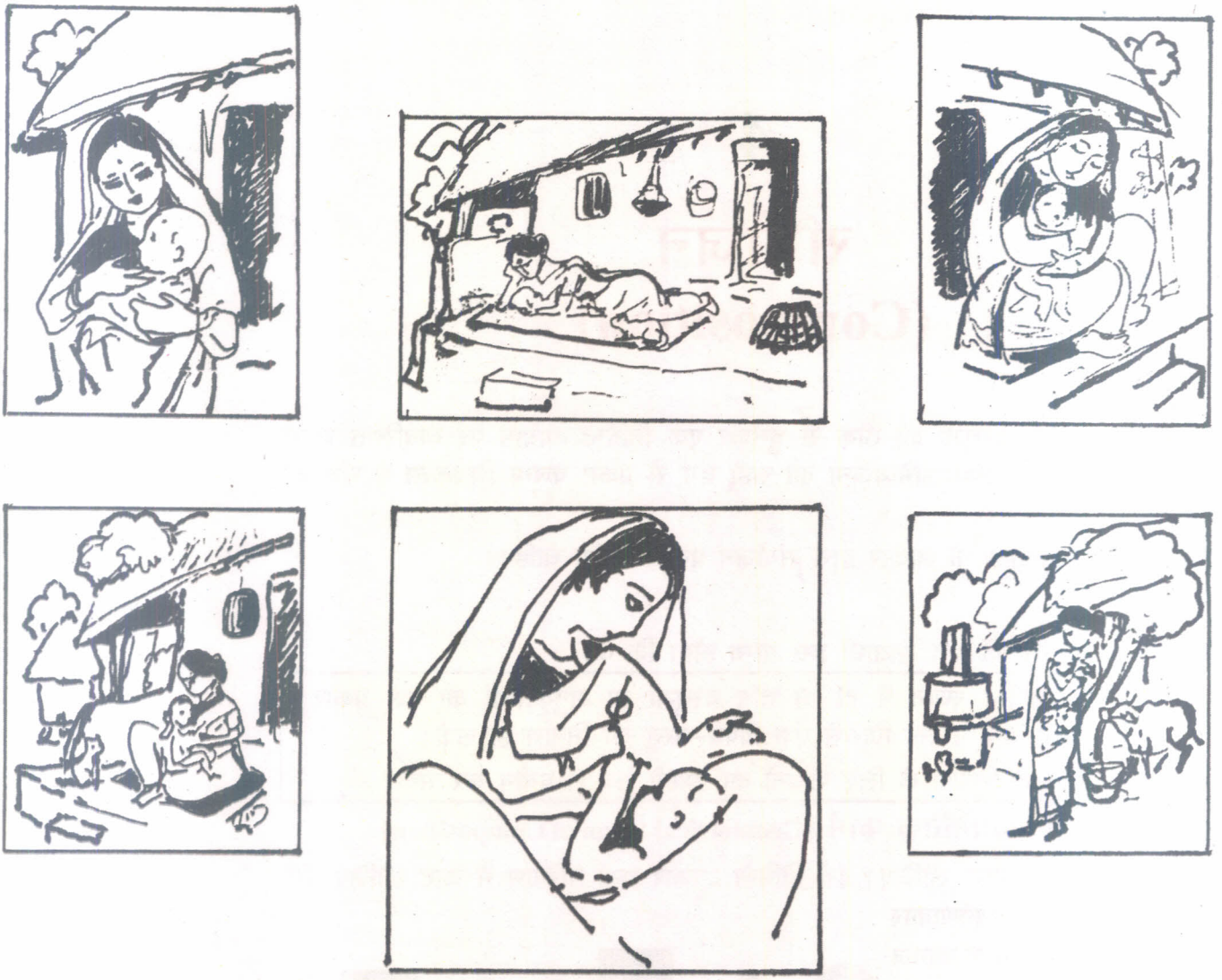

चित्र 4.2

पहले माँ तथा बच्चे के बहुत–से स्कैच बनाइए। ये सारे स्कैच सामने रखी गई मॉडल से करना सही होगा। इसके साथ–साथ आसपास के माहौल का भी स्कैच बनाइए। अब अपने आपसे यह निर्णय लेना है कि संयोजन वर्टिकल होगा या हॉरिजैन्टल। इसके पश्चात् कागज पर पैंसिल से आकृतियों का अंकन कीजिए। चाहे तो थोड़ा बहुत छाया प्रकाश का भी प्रयोग कर सकते हैं।

इन संयोजित स्कैचों से एक चित्र बनाने के लिए चुन लीजिए। यह चित्र आप अपनी मनपसंद या इच्छानुसार बना सकते हैं।

चित्र 4.3 ख

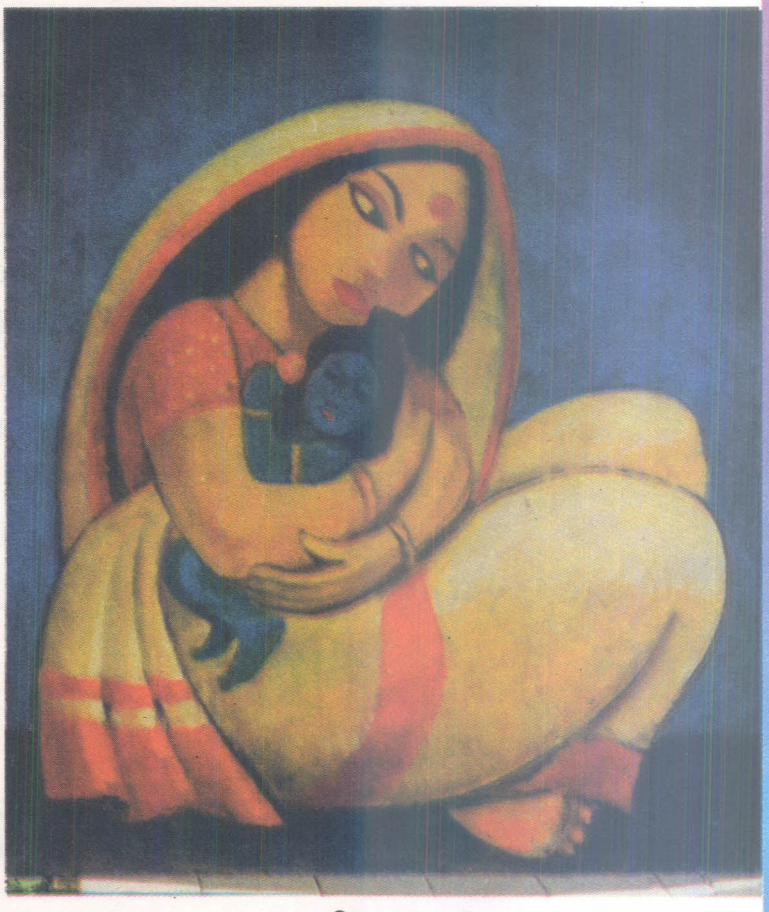

चित्र 4.3 क

रोजमर्रा की जिन्दगी में हम सचेतन या अवचेतन रूप से घर तथा कमरे को सजाते समय संयोजन बोध का प्रयोग करते हैं। इस प्रकार किसी भी वस्तु को सही ढंग से सजा कर जब चित्र बनाया जाता है तब उसे *"स्टिल लाईफ"* चित्र कहा जाता है।

4.3 वस्तु चित्रण (Still Life Composition)

स्टिल लाइफ संयोजन के लिए निम्नलिखित वस्तुओं का प्रयोग किया जा सकता है:

- जग
- टोकरी
- कप
- किताबें
- कपड़ा
- गिलास
- बोतल
- फल
- फूलदान
- पौधे आदि

इनसे कुछ भी छाँटकर टेबल पर सजाइए। रंगीन वस्तुओं को चुनना अच्छा रहेगा। संयोजन आरम्भ करने से पहले पैंसिल का एक प्राथमिक स्कैच कर लेना अच्छा रहेगा, जिसके पश्चात् कैनवास या कागज पर चित्र बनाना शुरू किया जा सकता है।

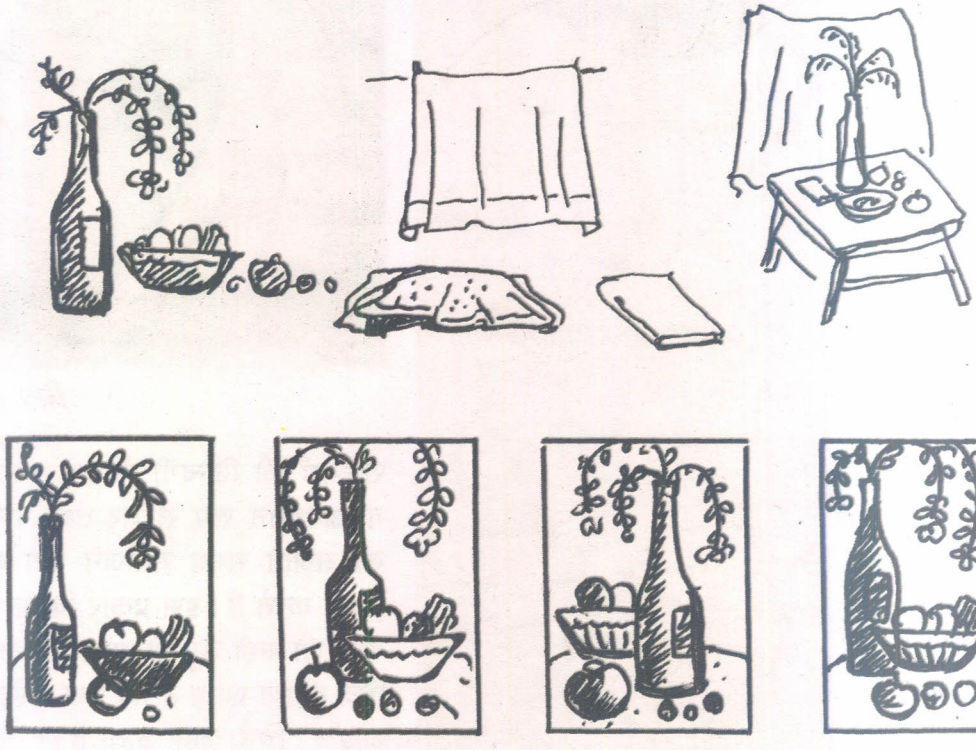

चित्र 4.4

4.4 प्राकृतिक दृश्य का संयोजन (Composition Based on Nature)

कोई भी प्राकृतिक दृश्य जैसे गाँव, रेलवे स्टेशन, हर रोज का कोई भी दृश्य, शहर का दृश्य आदि को प्रयोग में ला सकते हैं। प्राकृतिक दृश्य में आमतौर पर होरिजैन्टल दृश्य का प्रयोग होता है। उदाहरण के तौर पर एक गाँव की दृश्य–रचना में झोंपड़ी, पेड़, गाय, कुत्ते, इंसान, पंछी, नदी, नाव आदि दर्शाये जा सकते हैं।

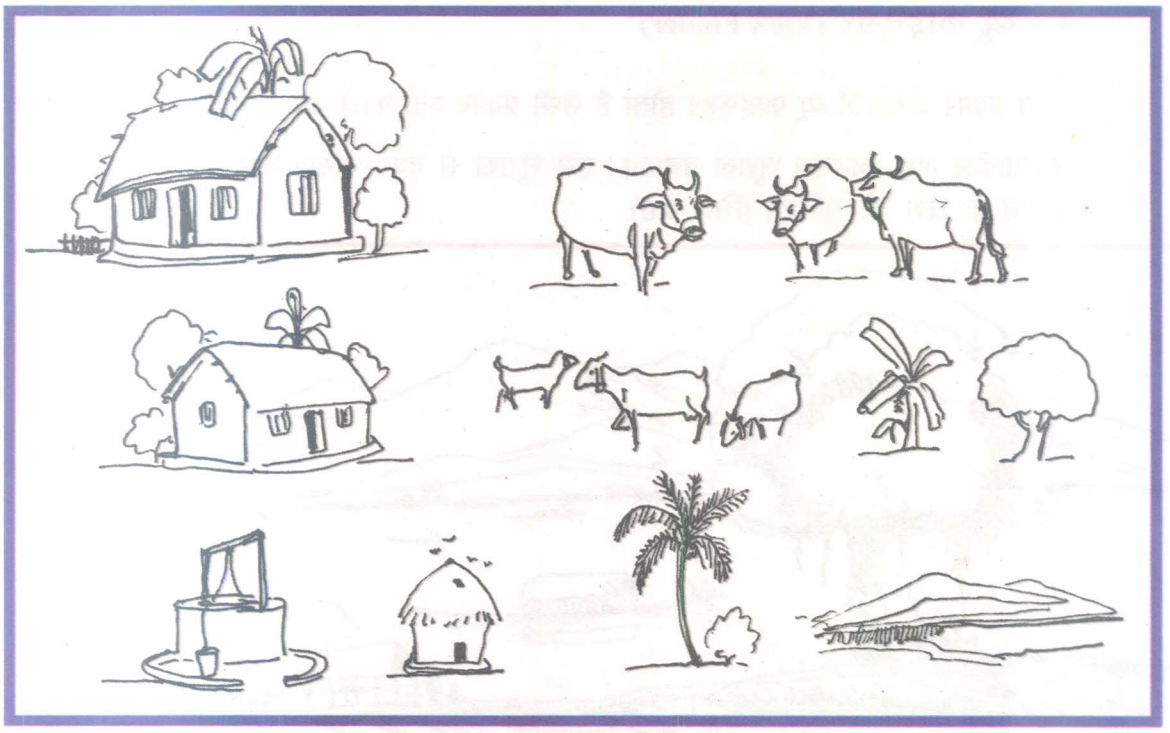

चित्र 4.5 क

चित्र 4.5 ख

4.5 व्यू फाइन्डर (View Finder)

जिस प्रकार कैमरा में व्यू फाइन्डर होता है उसी प्रकार एक काले कागज के बीच में $1" \times 1\frac{1}{2}"$ आयताकार अंश काटकर सूराख बनाइए। इस सूराख से दृश्य देखिए तथा अपनी मनपसंद के भूदृश्य के अंश को चुनिए। (चित्र 4.6)

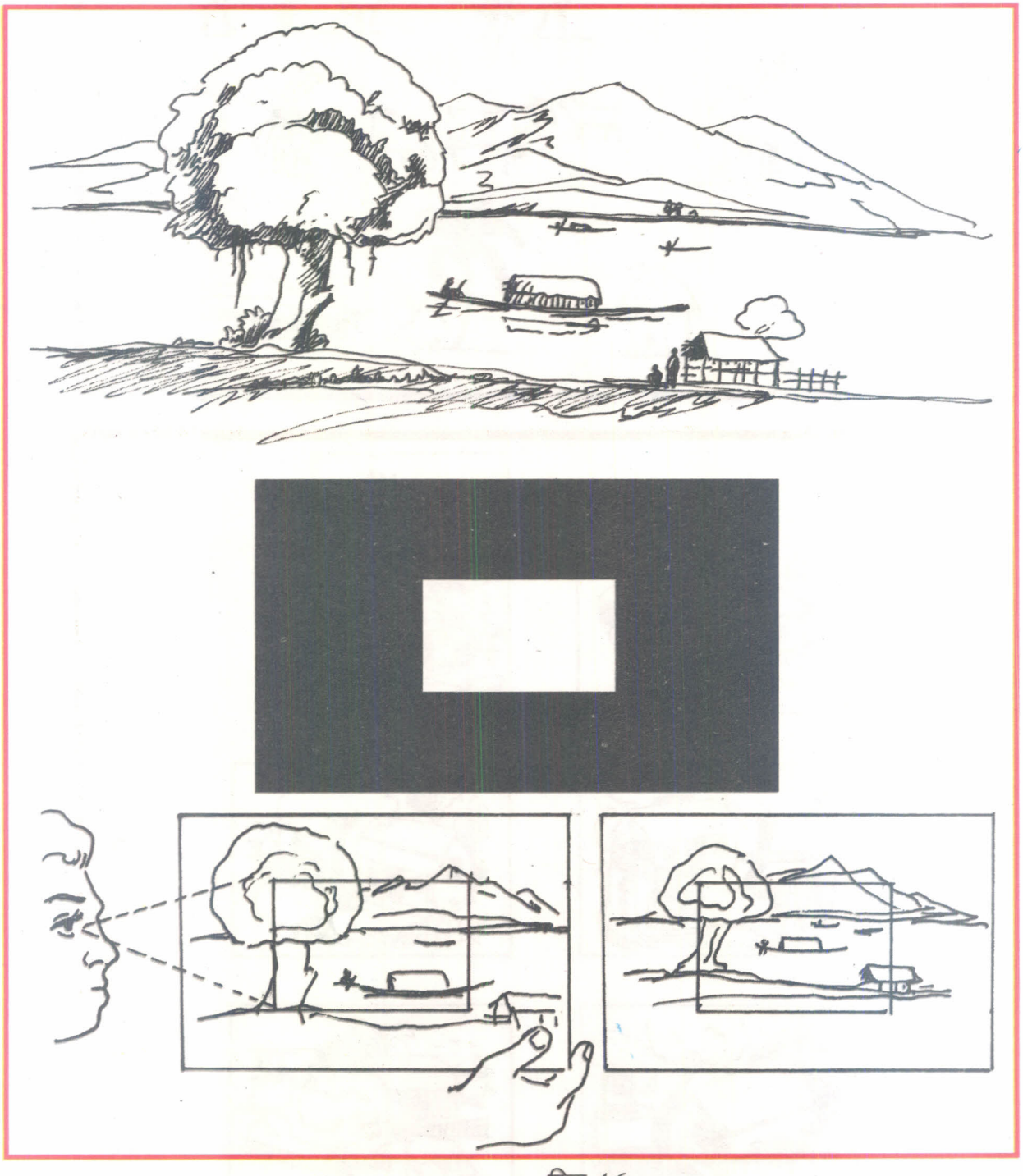

चित्र 4.6

4.6 प्राकृतिक दृश्य चित्रण का संयोजन (Nature Study Composition)

प्राकृतिक दृश्य देखकर स्कैच बनाइए। उदाहरणतः गांव के कई दृश्य के स्कैच बनाइए जैसे झोंपड़ी, गाय, कुत्ता, पेड़, नदी, नाव आदि। स्कैच करने के समय हर वस्तु के रंग को याद रखिए। भूदृश्य चित्र दो तरह से बनाया जाता है। चाहे आप दृश्य स्थान पर बैठ कर बनाइए अथवा अपने स्कैचों की सहायता से कमरे में बनाइए।

चित्र 4.7

भूदृश्य चित्रण के समय चित्रकार अपनी रूचि तथा कलात्मक–बोध से वास्तविक दृश्य के कुछ दृश्य निकाल सकते हैं तथा उसमें कुछ जोड़ सकते हैं जिससे चित्र की सुंदरता बढ़ जाए।

4.7 अलंकारिक फार्म का संयोजन (Decorative Form of Composition)

आस–पास की प्राकृतिक वस्तुओं के आधार पर फूल, पत्ते, पेड़ लताओं आदि का स्कैच कीजिए। इन स्कैचों को विभिन्न तरह से नक्काशी का रूप दीजिए एवं नक्काशी द्वारा संयोजन प्रस्तुत कीजिए। इस तरह का संयोजन सामान्य से भिन्न होता है।

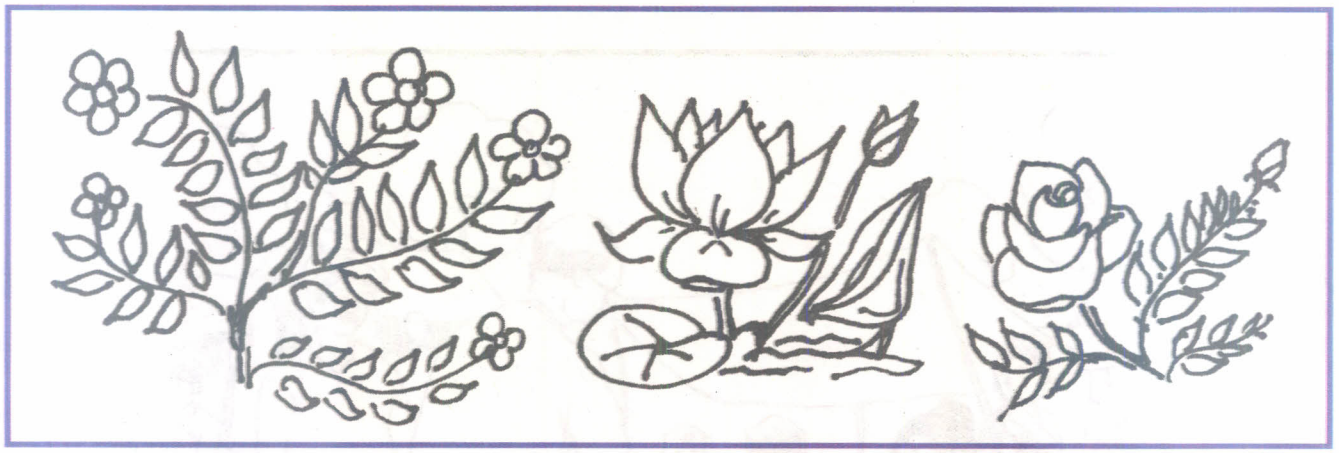

Fig. 4.8

4.8 सारांश

चित्र बनाने की विधि को ही संयोजन कहते हैं। वस्तु चित्रण में कल्पना और अभिव्यंजना को सही ढंग से प्रकट करना आवश्यक होता है। वस्तुओं को इस प्रकार व्यवस्थित ढंग से रखें जिससे एक विषय वस्तु का निर्माण हो सके। स्केच बनाते समय रंगों का सही उपयोग करें। पहले पेंसिल से स्केच बनाना ठीक रहेगा। उसके पश्चात कैनवास या कागज पर चित्र बनाना शुरू किया जा सकता है।

4.9 माडल प्रश्न

(1) जग, गिलास, टोकरी, फल, फूलदान, फूल आदि का स्केच बनाइए और उसके बाद उनका संयोजन कीजिए।

(2) गोलाकार, चौकोर और त्रिकोणाकार कागज को ज्यामितिक फार्म में संयोजन कीजिए।

4.10 शब्दकोष:

सूराख – किसी ठोस सतह पर एक खाली स्थान जहां से आर–पार दिखाई दे।

नक्काशी – अलंकृत करना

बुनियादी संयोजन – प्राथमिक रूप में वस्तुओं के आकार का संयोजन

संतुलित रूप – बराबर और उचित परिमाण में किसी वस्तु को स्थापित करना।

चित्र 4.9

चित्र 4.10